

## तकनीकी शिक्षकों को आइआइटी इंदौर से पीएचडी कराएगी सरकार

भोपाल (राज्य ब्यूरो)। तकनीकी शिक्षा विभाग के शिक्षकों को अब पीएचडी करने के लिए अध्ययन अवकाश लेने की आवश्यकता नहीं होगी। वे बिना अवकाश लिए अपनी पीएचडी पूरी कर सकेंगे। शिक्षकों के अध्ययन अवकाश के बढ़ते आवेदनों को देखते हुए तकनीकी शिक्षा विभाग ने यह व्यवस्था की है। इसके लिए विभाग ने आइआइटी इंदौर से अनुबंध किया है। न्यूनतम शुल्क लेकर शिक्षकों को पीएचडी की डिग्री कराई जाएगी। यह प्रयोग मध्य प्रदेश के किसी विभाग में पहली बार होने जा रहा है। शिक्षक ग्रीष्मकाल के अवकाश

### हर साल पीएचडी के सौ से अधिक आते हैं आवेदन

तकनीकी शिक्षा विभाग के अंतर्गत मध्य प्रदेश में ढाई हजार शिक्षक हैं। इनमें से हर साल सौ से अधिक शिक्षक पीएचडी के लिए आवेदन करते हैं, लेकिन बहुत कम शिक्षकों को पीएचडी करने के लिए अध्ययन अवकाश स्वीकृत होता है। अवकाश स्वीकृत न होने पर कई बार शिक्षक कोर्ट चले जाते हैं।

में पढ़ाई कर सकेंगे। इस व्यवस्था से इंजीनियरिंग एवं पालीटेक्निक कालेजों में न ही शिक्षकों की कमी होगी और न ही पढ़ाई प्रभावित

होगी। पीएचडी में प्रवेश लेने वाले शिक्षकों की आनलाइन क्लास लगेगी। देश के प्रतिष्ठित संस्थान आइआइटी इंदौर से पीएचडी करने पर इंजीनियरिंग कालेजों को बेहतर प्रोफेसर मिलेंगे।



इंजीनियरिंग एवं पालीटेक्निक कालेज के शिक्षकों को पीएचडी करने के लिए अध्ययन अवकाश लेने की आवश्यकता नहीं होगी। आइआइटी इंदौर से अनुबंध किया है, शिक्षक आइआइटी में प्रवेश लेकर पीएचडी पूरी कर सकेंगे।

– मनु श्रीवास्तव, प्रमुख सचिव,  
तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास